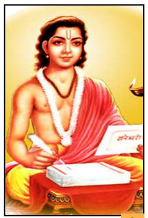

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

पृष्ठ संख्या 2

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 2 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, बुधवार 22 अप्रैल, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

शाही लवाजमे के साथ निकाली गई परशुराम जी की शोभायात्रा, पुष्प वर्षा के साथ जगह-जगह हुआ स्वागत

चौमूं (संस्कार सृजन)

भगवान परशुराम के जन्मदिवस पर प्राचीन गढ़ गणेश मंदिर से रविवार को परशुराम सेवा समिति के तत्वावधान में भगवान परशुराम जी की शोभा यात्रा शाही लवाजमें के साथ निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह शोभायात्रा गढ़ गणेश जी मंदिर से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ नरसिंहपुरी महाराज उदयपुरिया मठ, सागर पुरी महाराज गोलिया वाला मोरीजा, बालक दास महाराज संतोषी माता मंदिर ने प्रारंभ करवाई और नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुनः गढ़ गणेश मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान पूरा चौमूं भक्तिमय वातावरण में रंगा नजर आया।

जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर भगवान परशुराम के जयकारों के साथ शोभायात्रा का अभिनंदन किया। कई स्थानों पर जलपान और ठंडे पेय पदार्थों की भी विशेष व्यवस्था की गई, जिससे यात्रा में शामिल लोगों को राहत मिली। इस धार्मिक आयोजन में महिलाओं और बच्चों की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में भक्ति गीत गाते हुए चल रही थीं, वहीं बच्चे भी पूरे उत्साह के साथ झांकियों और धार्मिक नारों में शामिल नजर आए। शोभायात्रा में सजी-धजी झांकियां, बैंड-बाजे और धार्मिक ध्वज आकर्षण का केंद्र बने रहे। आयोजन समिति के हजारी लाल शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य समाज में धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। साथ ही, यह कार्यक्रम लोगों को एकजुट करने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का भी माध्यम है। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था का भी विशेष ध्यान रखा गया। प्रशासन और स्वयंसेवकों ने मिलकर शोभा यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चौमूं में इस भव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को प्रकट किया, बल्कि लोगों के बीच आपसी भाईचारे और एकता का संदेश भी दिया। इस मौके पर सैकड़ो की संख्या में विप्र बंधु, सनातनी, मातृ शक्ति युवा शक्ति मौजूद रहे।

अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक बने जितेंद्र तंवर

जयपुर (संस्कार सृजन)। अखिल भारतीय सर्वधर्म महासभा (ट्रस्ट) रजि. के राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष इंजीनियर टीकमचंद परिहार ने ट्रस्ट का विस्तार करते हुए ट्रस्ट में राष्ट्रीय संरक्षक पद पर नियुक्ति पत्र जारी किया है। ट्रस्ट की ओर से जारी नियुक्ति पत्र में जयपुर निवासी समाजसेवी, भामाशाह, व्यवसायी जितेंद्र तंवर को राष्ट्रीय संरक्षक पद पर मनोनीत किया गया। जितेंद्र तंवर नामदेव फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के निदेशक एवं सीईओ है। जितेंद्र तंवर की नियुक्ति पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों, सदस्यों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर परिहार का आभार व्यक्त किया है।

राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में आत्म रक्षा प्रशिक्षण का हुआ आगाज

चौमूं (संस्कार सृजन)। राजकीय कन्या महाविद्यालय चौमूं में रानी लक्ष्मीबाई केंद्र के तत्वावधान में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आगाज हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रोफेसर उषा परनामी द्वारा पुलिस कांस्टेबल सुमन व संजू पदस्थापित कालिका पेट्रोलिंग इकाई जयपुर के स्वागत से हुआ ।रानी लक्ष्मीबाई केंद्र प्रभारी प्रोफेसर रीना शक्तावत ने महाविद्यालय में केंद्र की स्थापना के उद्देश्य और वर्तमान में महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की सार्थकता से छात्राओं को अवगत कराया । साथ ही यह बताया की प्रशिक्षण तीन दिवस तक चलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कालिका पेट्रोलिंग इकाई जयपुर की दोनों कांस्टेबल ने पंजीकृत छात्राओं को आत्मरक्षाका प्रशिक्षण दिया। जिसमें छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन केंद्र सदस्य अनिता कुमावत ने किया। केंद्र सदस्य डॉ. रिचा गुप्ता ने बताया कि छात्राओं ने कार्यक्रम में पूर्ण उत्साहपूर्वक भागीदारी की तथा साथ में उन्हें अल्पाहार भी दिया गया। कंप्यूटर अनुदेशक शिव सैनी ने कार्यक्रम संचालन में सहयोग दिया।

ओमप्रकाश रीडर बने सर्व समाज जागृति संघ के जयपुर जिला संगठन मंत्री, प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने दी नियुक्ति

जयपुर (संस्कार सृजन)

चौमूं निवासी ओमप्रकाश रीडर को सर्व समाज जागृति संघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने जयपुर जिला संगठन मंत्री पद पर नियुक्ति दी है । सर्व समाज जागृति संघ राष्ट्रीय स्तर का संगठन है, जिसका मुख्य उद्देश्य सभी समाज में एकता लाना, अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाना, धार्मिक कार्यों के लिए सभी समाज को प्रेरित करना, स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षण सामग्री बांटना, ज्ञानार्जन पहल के साथ ही अच्छे अंकों से पास होने वाले होनहार बच्चों को सम्मानित करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह देखकर प्रोत्साहित करना एवं मनोबल बढ़ाना, बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे लगाना, गौ माता को राष्ट्र माता एवं राज्यों में राज्य माता घोषित करने का अथक प्रयास करना।

ऐसे समाज सेवा के कार्यों के विस्तार के लिए संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने 6 माह पूर्व पंडित रामस्वरूप आचार्य को जयपुर जिला अध्यक्ष पर नियुक्त किया था । आचार्य ने अपने अध्यक्ष पद का दायित्व बहुत सराहनीय ढंग से निभाया है । स्थानीय निवासियों को सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में जोड़ना चौमूं एवं आसपास के गांव में सतत और समग्र विकास के लिए आपकी टीम लगातार प्रयास कर रही है । जिला अध्यक्ष आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा ने ओम प्रकाश शर्मा रीडर को जयपुर संगठन मंत्री पद की नियुक्ति पर फूल माला पहनाकर पद की शपथ दिलाई । ओमप्रकाश रीडर ने पद की शपथ लेते हुए कहा कि मैं अपने पद की गरिमा बनाते हुए बिना किसी अड़चन के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करूंगा।

इस दौरान शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, समाजसेवी कैलाश तिवारी, प्रसिद्ध कथा वाचक महेश शर्मा हवेली वाले, पूर्व गोड विप्र अध्यक्ष नाथू लाल शर्मा, मोहित शर्मा, रमेश शर्मा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

फिल्म अभिनेत्री रेखा परिहार का मनाया जन्मदिन, जल्द रिलीज़ होगी अभिनीत फिल्म 'हमारी बेटियाँ'

जयपुर (संस्कार सृजन)। जल्द ही रिलीज़ होने वाली राजस्थानी फीचर फिल्म हमारी बेटियां फिल्म की मुख्य नायिका रेखा परिहार का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । सभी ने दीर्घायु होने की कामना की । फिल्म निर्देशक उग्रसेन तंवर ने बताया कि जयपुर के वैशाली नगर में रूप बसन्त ढाबा पर राजस्थानी फीचर फिल्म हमारी बेटियां की मुख्य नायिका, सिंगर , कोरियोग्राफर रेखा परिहार का जन्म दिन बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। अभिनेत्री रेखा परिहार ने अपने जीवन साथी राकेश मल्होत्रा के साथ केक काटकर और एक दूसरे को माला पहनाकर बधाईयां दी।

इस अवसर पर आने वाली फिल्म के रिलीज की तैयारी की चर्चा हुई । फिल्म जल्द ही जयपुर के जैम सिनेमा में लगने जा रही है ।

जन्मदिन पर फिल्म इंडस्ट्री से सुरेश मुद्गल, लखविंदर सिंह, फिल्म निर्माता गणेश साहू, सुरेश खांडल ,सुनील राही, भूपेन्द्र राणा, भवाई नृत्यांगना शालू सागर ,मोहन लाल सैनी होटल लेक पैलेस, अशोक खडोलिया होटल रॉयल अक्षयम, पत्रकार राम गोपाल सैनी,दीपक सोनी, पीएस कपूर, लक्की अरोड़ा, बिंदिया परिहार, संजू नाथावत, संजू राजावत, अमित जाखड़ सहित कई लोग मौजूद रहे ।

संपादकीय

लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण

भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। मीडिया की ताकत आज सर्वव्यापी है और कई मायनों में सर्वग्रासी भी। ऐसे में विकास के सवालों और उसके लोकव्यापीकरण में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो उठी है। यह एक ऐसा समय है, जबकि विकास और सुशासन के सवालों पर हमारी राजनीति में बात होने लगी है, तब मीडिया में यह चर्चाएं न हों यह संभव नहीं है। समाज विकास की प्रक्रिया और उसकी आकांक्षाएं मीडिया में दर्ज हों, ऐसी उम्मीद की जाती है। इन विषयों की रिपोर्टिंग के लिए तमाम पत्रकार आगे आ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी विकास की पत्रकारिता को एक नई नजर से देखा जा रहा है। भारत में विकास की पत्रकारिता और उसके सवालों से जूझने के लिए पत्रकारों की एक पूरी पीढ़ी तैयार है, किंतु मुख्यधारा के मीडिया के द्वारा इन विषयों को तरजीह न दिए जाने के कारण निराशा ही हाथ लगती है। संकट पत्रकारों की ओर से नहीं, मीडिया संस्थानों और प्रबंधकों की ओर से है। विकास का मुद्दा क्या सिर्फ सरकारी विज्ञापनों का विषय है, सरकारी मीडिया का विषय है, या यह समाज में हो रहे नवाचारों का भी विषय है। विकास पत्रकारिता को पाठ्यक्रम के साथ मीडिया कर्म का भी हिस्सा होना चाहिए।राजनीति भारत जैसे विविधता और बहुलता भरे समाज में सभी उम्मीदों, सपनों और बदलावों को रेखांकित कर पाना कठिन है। क्योंकि विकास के अनेक तल हैं और देश में समाज की रचना भी बहुस्तरीय है, देश में कहावत प्रचलित है 'चार कोस पर पानी बदले आठ कोस पर वाणी' , इसलिए किसी राज्य को भी एक ही पैमाने से नहीं नापा जा सकता। जैसे मध्य प्रदेश में एक तरफ समृद्ध मालवा है, तो दूसरी और झाबुआ जैसे इलाके भी हैं। एक तरफ इंदौर की चमक है, तो दूसरी ओर अलीराजपुर जैसे क्षेत्र भी हैं। छत्तीसगढ़ में अबूझमाड़ है, तो भिलाई भी है। ऐसे में पत्रकारों या विकास के सवालों पर लिखने वालों की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। इसी तरह विकास की भूमिका भी यहां विस्तृत और परिवर्तित हो जाती है। हम देखें तो 1950 के पहले आर्थिक विकास हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण था। किंतु 1950 के बाद की चिंताएं अलग हो गयी। बाद के दिनों में सामाजिक विकास को एक बड़ा कारक माना जाने लगा है। सामाजिक न्याय से लेकर स्थाई विकास के सवाल अब बड़े हो गए हैं। यहां तक कि पर्यावरण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी चीजें भी हमारे सामने हैं। एक समय में विकसित और विकासशील देशों की बहसें भी हमने सुनीं जिनमें मैकब्राइड कमीशन की रिपोर्ट एक अलग तरह से बात करती हुयी नजर आती है, जिनमें कुछ सवाल आज भी मौजू हैं। नियंत्रित मीडिया से मीडिया के चौतरफा विकास का समय भी आया जिसमें कुछ भी छिपाना और दबाना असंभव सा हो गया। कई बार यह भी लगता रहा कि विकास का सवाल सिर्फ सरकारी माध्यमों (मीडिया) के लिए ही महत्व का है, बाकी माध्यमों का अपना एजेंडा और राय अलग है। यहां यह भी देखना जरूरी है कि कम्युनिकेशन(संचार) सिर्फ सूचनाओं का हस्तांतरण नहीं है। बल्कि पक्षधरता के साथ, न्याय के लिए खड़ा होना भी है। जन को ताकतवर बनाना भी है। अवसर की समानता की अवधारणा को प्रचारित और स्थापित करना भी है।संचार व मीडिया अध्ययन विकेन्द्रीकरण ने विकास के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। जिनके भी ठोस और वाजिब हल हमें ढूंढने चाहिए। जैसे पंचायती राज में भारत ने एक लंबी छलांग लगाई है। सत्ता इसके चलते पंचायतों तक पहुंची, पर सवाल यह है कि क्या इससे लोकतंत्र मजबूत हुआ है? क्या संसदीय राजनीति और चुनावों की तमाम बुराईयां हमारी पंचायतों तक नहीं पहुंच गयी? वहीं हम मीडिया को देखें तो उसका भी विस्तार हुआ है। व्यापकता बढ़ी है, पहुंच भी बढ़ी है। पर सवाल यह है कि क्या मीडिया में संवेदनशीलता, ग्रहणशीलता और विविधता को आदर देने की उसकी भावना भी बढ़ी है, तो शायद उत्तर नकारात्मक ही हो। तीनों तंत्रों (कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका) से निराश लोग मीडिया की ओर बहुत उम्मीदों से देखते हैं। कई अर्थों में सत्ता का तो विकेन्द्रीकरण दिखता है, किंतु मीडिया धीरे-धीरे केन्द्रीकरण का शिकार हो रहा है।

भगवान शिव की जटाओं में क्यों समाई मां गंगा? जानिए पौराणिक कथा

गंगा सप्तमी हिंदू धर्म का एक अत्यंत पवित्र पर्व है, जो वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। साल 2026 में गंगा सप्तमी 23 अप्रैल को मनाई जाएगी। इस दिन मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण की याद की जाती है। गंगा सप्तमी को गंगा जयंती के नाम से भी जाना जाता है। इस पावन तिथि पर गंगा स्नान, व्रत और पूजा करने का विशेष महत्व है। लेकिन इस पर्व के पीछे की सबसे लोकप्रिय कथा भगवान शिव की जटाओं से जुड़ी हुई है, जिसमें गंगा का वेग कम करने की दिव्य लीला छिपी है।

गंगा सप्तमी 2026 की तिथि और महत्व-गंगा सप्तमी 2026 में 22 अप्रैल की रात 10:50 बजे शुरू होगी और 23 अप्रैल की रात 8:50 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, यह पर्व 23 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन गंगा स्नान करने से पापों का नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि गंगा सप्तमी पर गंगा में स्नान और दान करने से अक्षय फल मिलता है। **राजा भागीरथ की तपस्या**-कथा की शुरुआत इक्ष्वाकु वंश के राजा भागीरथ से शुरू होती है। उनके पूर्वज सगर के 60,000 पुत्रों को कपिल मुनि के श्राप से मुक्ति नहीं मिल रही थी। उनकी मुक्ति के लिए केवल गंगा जल ही एकमात्र उपाय था। भागीरथ ने गंगा को धरती पर लाने के लिए हजारों वर्षों तक कठोर तपस्या की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा जी ने गंगा को धरती पर भेजने की अनुमति दे दी, लेकिन समस्या यह थी कि गंगा का वेग इतना तेज था कि वह पृथ्वी को नष्ट कर सकती थी। **भागीरथ ने ली भगवान शिव की शरण**-गंगा को अपने वेग पर थोड़ा अभिमान भी था। उन्हें लगा कि कोई भी उनका वेग सहन नहीं कर पाएगा। भागीरथ ने यह संकट देखकर भगवान शिव की शरण ली। शिव पुराण के अनुसार, जब गंगा पूरे अहंकार के साथ स्वर्ग से नीचे गिरीं, तो भगवान शिव ने अपनी घनी जटाएं फैला दीं। गंगा जैसे ही शिव के शीश पर गिरीं, वे उनकी जटाओं के जाल में पूरी तरह उलझ गईं। कई वर्षों तक गंगा शिव की जटाओं में भटकती रहीं। धरती को प्रलय से बचाने के लिए यह भगवान शिव की लीला थी।

जटाओं से निकली भागीरथी धारा-भागीरथ की बार-बार प्रार्थना पर भगवान शिव ने अपनी जटाओं की एक लट खोली। इसके बाद गंगा की एक पतली धारा धरती पर प्रवाहित हुई, जिसे हम आज भागीरथी के नाम से भी जानते हैं। इस प्रकार शिव जी ने गंगा को धरती पर उतारा। इस वजह से गंगा जी को शिव की जटाओं से निकली हुई माना जाता है। गंगा सप्तमी पर स्नान-दान इस पर्व पर गंगा स्नान, दान और पूजा करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है। गंगा सप्तमी का त्योहार हमें याद दिलाता है कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण से हर संकट का समाधान संभव है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✳ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✳ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✳ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✳ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✳ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✳ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✳ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✳ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✳ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✳ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर ली सनातन की रक्षा की शपथ

जयपुर (संस्कार सृजन)। जगत गुरु आश्रम में ब्राह्मण महिला परिषद ने भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव भजनों, नृत्यों और महा आरती कर धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में जयपुर की लगभग 200 ब्राह्मण महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में परिषद की ओर से प्रदेश अध्यक्ष अरुणा गौड़ ने समस्त महिलाओं को परशुराम जी के आदर्शों पर चलकर सनातन की रक्षा की शपथ दिलवाई गई। ब्राह्मण महिला परिषद की अध्यक्ष अरुणा गौड़ ने बताया कि भगवान परशुराम जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर हाथोज धाम के स्वामी बालमुकुंद आचार्य विधायक हवा महल , महापौर पंकज जोशी, पूर्व मंत्री एस डी शर्मा, खोले के हनुमान जी के ब्रिज मोहन शर्मा, मोहन प्रकाश शर्मा ने समस्त बहिनों के साथ महा आरती की। महाआरती में परिषद की कार्यकर्ता कमलेश शर्मा, संतोष मिश्रा, रिचा शर्मा, नूतन उपाध्याय, सुमन शर्मा, कृष्णा श्रृंगी, आशा शर्मा, कल्पना गौड़, शुचि आचार्य, पूनम शर्मा, भारती शर्मा, वीणा शर्मा, नीलम शर्मा, सरिता त्रिपाठी, उषा शर्मा, उषा गौड़ सहित 200 महिलाओं ने एक एक थाली में 11,11 दीपक रखकर महा आरती की। महाआरती के पश्चात लड्डुओं का भोग लगाया गया और प्रसाद वितरण किया गया।

जिलाध्यक्ष अजय चौहान ने किया दिक्षिता वैष्णव का सम्मान

जालोर (संस्कार सृजन)। जालोर निवासी दिनेश वैष्णव की सुपुत्री दिक्षिता वैष्णव का RAS परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर राजस्थान संयुक्त कर्मचारी एवं मजदूर महासंघ के जिला शाखा जालोर के जिलाध्यक्ष अजय चौहान ने माला व बाबा खाटूश्याम की तस्वीर भेंटकर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।इस दौरान पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है व बड़ी संख्या में लोगों ने दिक्षिता वैष्णव को बधाईयाँ प्रेषित की है ।

टीम रजनीश यादव ने ग्राम पंचायत कानपुरा में विभिन्न स्थानों पर लगाए परिंडे

जयपुर (संस्कार सृजन)। हर वर्ष की भांति इस बार भी ग्राम पंचायत कानपुरा में विभिन्न स्थानों पर टीम रजनीश यादव द्वारा परिंडे लगाए जा रहे हैं । समाजसेवी रजनीश यादव ने बताया कि इस भीषण गर्मी में बेजुबानों के लिए दाना पानी की व्यवस्था करना बहुत जरूरी है । इस मौके पर कन्हैया लाल वार्ड पंच,कालूराम,रामलाल बुनकर, सांवरमल, करतार, धनराज, लालचंद ,मनोज व ग्रामीण लोग मौजूद रहे।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष – निर्णय लेने की क्षमता बढ़ गई है । जीवनसाथी से सान्निध्य मिल रहा है । एक अच्छी स्थिति आपकी प्रेम, संतान और व्यापार सबको लेकर है। मन थोड़ा परेशान रहेगा। मध्य में धन का आवक बढ़ेगा और मित्रगण या कौटुंबिक सुख का पूरा मजा लेंगे। नए व्यापार की शुरुआत हो सकती है । पीली वस्तु पास रखना शुभ होगा।

वृषभ – सरकारी तंत्र से पंगेबाजी नहीं करनी है। स्वास्थ्य अच्छा है, लेकिन थोड़ा ऊर्जा की कमी रहेगी। प्रेम-संतान में सुधार हो चुका है और व्यापार भी अच्छा है। अंत में धनागमन होगा और आप अपनी जुबान से जग जीत लेंगे, इतना अच्छा समय रहेगा। पीली वस्तु का दान करना शुभ होगा।

मिथुन – प्रेम-संतान का भरपूर सहयोग मिल रहा है और व्यापार भी अच्छा है। मध्य में खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी । सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जैसा आप चाहेंगे वैसी ही आपकी दिनचर्या होगी और आपकी जरूरतें भी पूरी होंगी। काली जी को प्रणाम करना आपके लिए शुभ होगा।

कर्क – आपका स्वास्थ्य थोड़ा ऊपर-नीचे होगा । प्रेम और संतान की स्थिति में सुधार है । आपको पिता का सहयोग और सरकारी तंत्र का लाभ मिलेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों से बचें। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, शुभ समाचार प्राप्त होंगे और यात्रा के योग बनेंगे। लाल वस्तु पास रखना आपके लिए शुभ होगा।

सिंह – स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है, प्रेम और संतान की स्थिति अच्छी है । भाग्य के भरोसे कोई बड़ा कार्य न करें, थोड़ा संभलकर चलें और हो सके तो अभी यात्रा टाल दें। उच्चाधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा और राजनीतिक लाभ होने की संभावना है। पीली वस्तु पास रखना आपके लिए शुभ होगा।

कन्या – प्रेम और संतान की स्थिति भी सुखद है और व्यापार भी ठीक चल रहा है। वाहन सावधानी से चलाएं और कोई जोखिम न लें। आप धर्म-कर्म के कार्यों में रुचि लेंगे और भाग्य का साथ मिलेगा, जिससे रोजी-रोजगार में तरक्की होगी। कोर्ट-कचहरी के मामलों में आपकी जीत हो सकती है। पीली वस्तु का दान करना आपके लिए शुभ रहेगा।

तुला – स्वास्थ्य में पहले के मुकाबले सुधार देखा जा सकता है और प्रेम, संतान एवं व्यापार की स्थिति भी बेहतर है। त्वचा से जुड़ी कुछ परेशानियां हो सकती हैं और शत्रुओं की सक्रियता बढ़ने की संभावना है । जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा । मां काली की आराधना करना लाभकारी रहेगा।

वृश्चिक – अपने शत्रुओं पर दबदबा बना रहेगा। प्रेम और संतान की स्थिति में सुधार हो चुका है । आपको बुजुर्गों का आशीर्वाद और गूढ़ ज्ञान की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी का साथ मिलेगा और नौकरीपेशा लोगों के लिए स्थितियां अनुकूल रहेंगी। प्रेमी-प्रेमिका के बीच मुलाकात के योग हैं । हरी वस्तुओं का दान करना उचित होगा।

धनु – स्वास्थ्य, प्रेम, संतान, व्यापार और भौतिक सुख-सुविधाओं के मामले में स्थितियां बहुत अच्छी हैं। कोई भी निर्णय भावुक होकर न लें । शत्रु आपको नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन जीत आपकी ही होगी। अपने पास पीली वस्तु रखना शुभ रहेगा।

मकर – स्वास्थ्य पहले से बेहतर है, प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है और व्यापार भी अच्छा है। बस अपनी जुबान पर थोड़ा नियंत्रण रखिएगा । भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी में कुछ परेशानी आ सकती है । लिखने-पढ़ने के लिए भी यह समय बेहतर है । शत्रुओं के बीच भी आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। पीली वस्तु का दान करना आपके लिए शुभ रहेगा।

कुंभ – प्रेम और संतान की स्थिति में काफी सुधार आ चुका है और व्यापार भी बहुत अच्छा चल रहा है। धन का आगमन होगा और अपनों में वृद्धि होगी । आप रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। भूमि, भवन या वाहन की खरीदारी के योग हैं । प्रेम संबंधों में और मधुरता आएगी। पीली वस्तु का दान करना शुभ होगा।

मीन – स्वास्थ्य अभी भी थोड़ा मध्यम बना हुआ है। व्यापारिक दृष्टिकोण से अब अच्छा समय शुरू हो रहा है। जुआ, सट्टा या लॉटरी में पैसे न लगाएं । घर में किसी उत्सव का माहौल बन सकता है, जो कि शुभ संकेत है। अपने पास पीली वस्तु रखना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

(कहानी) राजा और बूढ़ा घोड़ा

एक राजा था उसके अस्तबल में बहुत सारे घोड़े थे लेकिन उन सभी में से एक घोड़ा ऐसा भी था जो सभी घोड़ों से ज्यादा शक्तिशाली और युद्ध कौशल में निपुण था। राजा हर युद्ध में उसकी पीठ पर बैठकर जाता और युद्ध जीत कर आता था इसलिए राजा उसे बहुत प्यार करता था।

समय के साथ घोड़ा बूढा हो गया। राजा को लगा कि अब शायद उसका घोड़ा पहले की तरह युद्ध में सहयोग नहीं कर पायेगा इसलिए उसने घोड़े को युद्ध में ले जाना बंद कर दिया । अब घोड़ा सारा दिन अस्तबल में बैठा रहता था या घास चरने मैदान में चला जाता था ।

एक दिन घोडा कहीं दूर निकल गया और रास्ते में आते समय एक नदी मिली नदी में कीचड़ था । घोड़े को लगा की वह आसानी से नदी पार कर लेगा किन्तु जैसे ही उसने नदी पार करने का प्रयास किया वह कीचड़ में फंस गया । घोडा जितना कीचड़ से बाहर आने का प्रयास करता वह उतना ही उसमें फंसता जा रहा था । अपने आप को मुसीवत में घिरा देख घोड़ा जोर-जोर से हिनहिनाने लगा । घोड़े की हिनहिनाने की आवाज सुनकर रास्ते से जा रहे राहगीर इकट्ठे हो गए। उन सभी ने मिलकर घोड़े को कीचड़ से निकालने का प्रयास किया किन्तु वे असफल रहे । लोगों ने घोड़े के मालिक का पता किया तो पता चला वह राजा का घोडा है। यह बात राजा तक पहुंचाई गई कि उनका प्यारा घोड़ा गहरे कीचड़ में फँस गया है और कीचड़ से नहीं निकल पा रहा है। राजा अपने सैनिकों के सांथ घटनास्थल पर पहुँचा और घोड़े को निकालने का प्रयास करने लगे किन्तु उन्हें भी सफलता नहीं मिली । अब राजा भी बहुत परेशान हो गया उसने अपने मंत्रियों को बुलाकर सलाह ली तभी एक बुजुर्ग मंत्री ने सलाह दी कि घोड़े के पास युद्ध के नगाड़े बजवा दिए जायें और आस-पास युद्ध का माहोल तैयार किया जाए ।

प्रभाती लाल सैनी

राजा को बूढ़े मंत्री की सलाह अच्छी लगी और उसने वैसा ही किया । जैसे ही नगाड़े बजे, तलवारों और ढालों की आवाज़ गूंजी वैसे ही बूढ़े घोड़े में मानो फिर से जवानी आ गई और मानो उसकी नसों में खून का संचार कई गुना बढ़ गया हो वह धीरे-धीरे उठ खड़ा हुआ और जोर से हिनहिनाते हुए चमत्कारी रूप से एक झटके में कीचड़ से बाहर आ अगया । राजा ने बूढ़े मंत्री से पूछा- ये चमत्कार कैसे हुआ ?

मंत्री ने उत्तर दिया । ये घोड़ा बूढा जरूर हो गया है लेकिन जब इससे काम नहीं लिया गया तो इसके अंदर का उत्साह और आत्मविश्वास खत्म हो गया था और आज फिर से वही माहौल मिला तो उसमें उत्साह का संचार हुआ और ताकत लौट आई है। राजा को भी सारी बात समझ में आ गयी और उसने अपने वीर घोड़े को फिर से काम पर रख लिया।

राजा और बूढ़ा घोडा कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि जीवन में उत्साह और आत्मविश्वास को कभी ख़त्म नहीं होने देना चाहिए ।

मुस्कान छोटी-सी (कविता)

मुस्कान छोटी-सी प्यारी,
लगती सबसे न्यारी।
हँसते चेहरे फूल-से खिलें,
मिटे पीड़ा भारी।
दूर करे हर दुःख-दंश, हर
ले जीवन का
शूल,मुस्कान बन जाती
जग में खुशियों की
फुलवारी।
थका हुआ जब मन हो
जाता, देती स्नेह
सहारा।सुकून बनकर पास
खड़ी, हर ले संताप हमारा।
रोते मन को हँसा-हँसा कर
भर दे नव उमंग।
जीवन पथ पर फिर से
जगे उत्साह का उजियारा॥
बीमारों की दवा बने, जीने
की आस जगाए।
गिरते को थामे कर दृढ़,
आगे राह दिखाए।
बेसहारे को संबल दे,
साहस से भर दे प्राण।
मुस्कान ही मानव जीवन
को सच्चा अर्थ सिखाए॥
आओ मिलकर हँसना
सीखें, खुशियों के बीज
बोएँ।
हर चेहरे पर प्रेम-स्मित से
उजले दीप संजोएँ।
स्नेह-सुगंध बिखेरें जग में,
मिटे द्वेष-अंधकार।
मुस्कान से ही हम सब
मिल, सुंदर संसार संजोएँ॥

महेन्द्र सिंह कटारिया,
नीमकाथाना, राजस्थान

कृष्णम वेलफेयर फाउंडेशन ने प्रशिक्षणार्थियों को करवाया फील्ड विजिट

चौमूं (संस्कार सृजन)। कृष्णम वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में डेयरी फार्मिंग इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षणार्थियों को पशु आहर उद्योग व पशु मेडिकल स्टोर का मोरिजा में फील्ड विजिट करवाया गया । इस दौरान एनजीओ के कर्मा देवी व किशन शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

तारा ज्योतिष साधना केंद्र में हुआ नीमराना के बिल्डर विजेंद्र सिंह का स्वागत

जयपुर (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के जयपुर कार्यालय में नीमराना से पधारे बिल्डर विजेंद्र सिंह का अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने स्वागत-सम्मान किया । आचार्य ने साथ में पधारे सरकारी स्कूल व्याख्याता महेश शर्मा बहरोड़ का भी बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान पंडित हरिओम शास्त्री, श्याम प्रेमी गोपाल भाई,मनीष मिश्रा, सूरज चोधरी, राम तिवाड़ी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।

कल्पना हार्ट एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में हुआ सर्जरी विभाग का भव्य शुभारंभ

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं क्षेत्र में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा विस्तार की दिशा में एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पहल के तहत कल्पना हार्ट एंड मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में सर्जरी विभाग का भव्य शुभारंभ जालपाली धाम के पूज्य संत सुदर्शन दास महाराज के कर कमलों द्वारा फीता काटकर हुआ। यह शुभ अवसर क्षेत्र के लिए नई उम्मीद, विश्वास और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार का प्रतीक बना। इस गरिमामयी एवं प्रेरणादायक अवसर पर वरिष्ठ जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. राजेंद्र यादव ने महाराज का आशीर्वाद प्राप्त कर सर्जिकल सेवाओं की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य अत्याधुनिक तकनीकों, अनुभवी विशेषज्ञों और समर्पित सेवा भाव के साथ मरीजों को उच्च गुणवत्ता, सुरक्षित एवं विश्वसनीय उपचार उपलब्ध कराना है।

नई शुरुआत के साथ अब कल्पना हॉस्पिटल में 24×7 सर्जरी की उन्नत एवं अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, जिससे आपातकालीन स्थितियों में भी मरीजों को तुरंत, सुरक्षित और प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जा सकेगा।हॉस्पिटल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप यादव ने बताया कि यह ऐतिहासिक पहल चौमूं एवं आसपास के क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी और स्थानीय मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर जाने की आवश्यकता को काफी हद तक कम करेगी। इस दौरान गणमान्य लोगों के साथ सम्पूर्ण स्टाफ मौजूद रहा ।

बीजेपी की पदयात्रा को पुलिस ने रोका

सीएम बोलेः 17 अप्रैल को विपक्ष ने काला पन्ना बनाकर छोड़ दिया

सुमन शर्मा ने बैरिकेडिंग पर चढ़कर किया हंगामा

जयपुर। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को सपोर्ट नहीं करने पर बीजेपी ने विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन किया। बीजेपी की महिला कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश पदयात्रा निकाली। पदयात्रा को पुलिस ने

कमिश्नरेट के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने बैरिकेड्स पर चढ़कर हंगामा कर दिया। इससे पहले बीजेपी ऑफिस में सभा का आयोजन किया गया था। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि 17 अप्रैल को ऐतिहासिक दिन बनने वाला था लेकिन विपक्ष ने काला पन्ना बनाकर छोड़ दिया इसके बाद बीजेपी ऑफिस से शहीद स्मारक के लिए सीएम भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने रवाना किया था। बता दें कि लोकसभा में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान

(131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो सका था। बिल में लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 816 करने और महिलाओं को 33% आरक्षण देने का प्रस्ताव था। बिल के पक्ष में 298 और विरोध में 230 वोट पड़े, जबकि इसे पास करने के लिए 352 वोटों की जरूरत थी।

प्रदेश मंत्री बोलीं- कांग्रेस ने रावण बनकर हमारे हकों का हनन किया

पुलिस ने कमिश्नरेट पर बेरिकेडिंग लगाकर पदयात्रा को रोका हुआ है। इस पर महिलाओं ने हंगामा कर दिया। महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि अपने अधिकार के लिए हम यहां एकत्रित हैं। प्रदेश मंत्री एकता अग्रवाल ने कहा कि आज प्रदेशभर से महिलाएं यहां कांग्रेस को चेताने आई है कि आपने जिस तरह से रावण बनकर हमारे हकों का हनन किया है। हम भी माता सीता की तरह आपका दहन करने का काम करेंगे महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा बेरिकेड्स पर चढ़कर उसे पार करने की कोशिश करते हुए।

सुबोध पब्लिक स्कूल सांगानेर में गुड टच-बैड टच पर जागरूकता सत्र हुआ आयोजित

जयपुर (संस्कार सृजन)। सुबोध पब्लिक स्कूल में कक्षा तृतीय से पंचम तक के विद्यार्थियों के लिए गुड टच और बैड टच विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।

यह सत्र 'स्पर्श अभियान' के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है। सत्र का संचालन डॉ. सौरभ जैन (MBBS, MD, SMS मेडिकल कॉलेज, जयपुर; FFM) द्वारा किया गया, जो वर्तमान में चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राजस्थान सरकार में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। वे मिशन धड़कन के संस्थापक एवं स्पर्श अभियान के प्रमुख स्वयंसेवक भी हैं, जो वरिष्ठ IAS अधिकारी नवीन जैन के नेतृत्व में संचालित एक जन-जागरूकता पहल है।

सत्र के दौरान बच्चों को सरल एवं उनकी आयु के अनुरूप तरीके से सुरक्षित (गुड टच) और असुरक्षित (बैड टच) स्पर्श के बीच अंतर समझाया गया।

संवादात्मक गतिविधियों और उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल ऐसे स्पर्श को पहचानना सिखाया गया, बल्कि उनसे सही तरीके से प्रतिक्रिया करने के लिए "NO–GO–TELL" नियम की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या आशी श्रीवास्तव ने डॉ. सौरभ जैन को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए ग्रीन गोल्ड भेंट कर सम्मानित किया।

यह सत्र विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ तथा बच्चों में आत्म-सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वच्छता मैराथन

स्वच्छता मैराथन में जयपुर चमकाः 6000 टन कचरा साफ, पहली बार ऐसा अभियान

जयपुर। जयपुर में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित 'सफाई सेवा मैराथन-2026' ने स्वच्छता का नया इतिहास रच दिया। एक ही दिन में 6000 टन कचरा उठाकर शहर की तस्वीर बदल दी गई। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा की पहल पर चले इस अभियान में 9 हजार से अधिक अधिकारी-कर्मचारी मैदान में उतरे, वहीं करीब 1500 गाड़ियों के माध्यम से 7000 ट्रिप्स में कचरे का निस्तारण किया गया। आयुक्त ने सुबह 7 बजे से शाम तक लगातार फील्ड में रहकर करीब 200 किलोमीटर का रूट कवर किया, जिसमें से 15 किलोमीटर पैदल निरीक्षण किया गया। इस दौरान शहरभर के 60 से अधिक प्रमुख स्थानों का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा गया और कई जगह स्वयं खड़े होकर ओपन कचरा डिपो हटवाए गए। अभियान की शुरुआत मालवीय नगर जोन के वार्ड 83 (हाजिरीगाह) से हुई। इसके बाद रामबाग सर्किल, अंबेडकर सर्किल, ज्योति नगर टी-प्वाइंट, कठपुतली नगर,

डियर पार्क, स्टेच्यू सर्किल, गवर्मेंट हॉस्टल, एमआई रोड, अजमेरी गेट, किशनपोल जोन, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार, चौगान स्टेडियम, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, हवामहल, जलेबी चौक, गोविंद देव जी मंदिर (जय निवास उद्यान), नगर निगम हैरिटेज मुख्यालय, पौंड्रिक उद्यान, ताल कटोरा, चांदी की टकसाल, जोरावर सिंह गेट, रामगढ़ मोड़, बंगाली बाबा चुंगी, दिल्ली रोड स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन (लाल डूंगरी), गलता जी, गोल मार्केट कचरा ट्रांसफर स्टेशन (राजा पार्क), झालाना कचरा ट्रांसफर स्टेशन, गांधी नगर होते हुए लाल कोठी, प्रधान मार्ग, ओटीएस सर्किल, जवाहर सर्किल, एयरपोर्ट, टोंक रोड, प्रताप नगर, अन्नपूर्णा रसोई (आयूएचएस), बंबाला पुलिया के नजदीक ट्रांसफर स्टेशन, सांगानेर बाजार (सांगा बाबा मंदिर, त्रिपोलिया बालाजी, जैन मंदिर पैदल दौरा), सांगानेर स्टेडियम, मानसरोवर कचरा ट्रांसफर स्टेशन, द्वारका 10, पुरोहित पार्क, वेस्ट टू वंडर पार्क, श्याम नगर, पुरानी चुंगी, गांधी पथ, गुप्ता स्टोर, सिरसी रोड, विद्याधर नगर, अंबाबाड़ी, चिंकारा कैंटीन, कलेक्टरी सर्किल एवं नगर निगम मुख्यालय सहित विस्तृत रूट पर निरीक्षण किया गया।

परशुरामजी शस्त्र और शास्त्र के मर्मज्ञ, अन्याय और अनाचार का प्रतिरोध करने वाले ऋषि : राज्यपाल

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को बिड़ला सभागार में अक्षय तृतीया और भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय पूजा आरती में भाग लिया। उन्होंने भगवान परशुराम की छवि पर पुष्प अर्पित कर उनकी विधिवत आरती की और प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और संपन्नता की कामना की। राज्यपाल ने जयंती समारोह में भगवान परशुराम के जीवन प्रसंगों की चर्चा करते हुए कहा कि वह शस्त्र और शास्त्र के ही मर्मज्ञ नहीं थे, अन्याय और अनाचार का प्रतिरोध करते जीवन में आदर्श की स्थापना के प्रेरक हैं। उन्हानें भगवान परशुरामजी के अवतरण दिवस की बधाई देते हुए कहा कि अक्षय तृतीया बौद्धिक क्षमताओं के विकास से जुड़ा पर्व है। वेद व्यासजी ने इसी दिन विघ्न विनाशक गणेश को महाभारत लिखने के लिए राजी किया था। राज्यपाल ने कहा कि परशुराम जी बुद्धि और ज्ञान का समन्वय रखने वाले ऋषि है। उनकी जयंती भगवान परशुराम जी को स्मरण करने का अवसर नहीं है, यह उनके आदर्शों–त्याग, तप, शौर्य, और धर्म रक्षा की प्रतिज्ञा को अपने जीवन में उतारने तथा अन्याय के विरुद्ध निर्भीकता से खड़े होने का संकल्प लेने का पर्व है।

अजमेर, जयपुर, भरतपुर से यूपी-बिहार जाने वाले पैसेंजर्स को होगा फायदा

जयपुर। गर्मी की छुट्टी को देखते हुए जयपुर से पटना के लिए 23 अप्रैल से 9 जुलाई के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। जयपुर-पटना रूट की ट्रेनों में लंबी वेटिंग लिस्ट होने के कारण मदार-पटना-मदार साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू किया गया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया- ट्रेन नंबर 09601, मदार-पटना साप्ताहिक स्पेशल 23 अप्रैल से 9 जुलाई के बीच 12 ट्रिप चलाई जाएगी। इस साप्ताहिक ट्रेन के शुरू होने से यूपी बिहार जाने आने वाले पैसेंजर्स को इसका फायदा होगा।

प्रत्येक गुरुवार को जयपुर होकर चलेगी स्पेशल ट्रेन- यह ट्रेन मदार से प्रत्येक गुरूवार को सुबह 06.40 बजे रवाना होकर जयपुर स्टेशन पर सुबह

08.40 बजे आगमन व 08.50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 08.15 बजे पटना पहुंचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09602, पटना-मदार साप्ताहिक स्पेशल 24 अप्रैल से 10 जुलाई तक 12 ट्रिप चलाई जाएगी। यह ट्रेन पटना से प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 10.15 बजे रवाना होकर अगले दिन जयपुर स्टेशन पर सुबह 11.00 बजे आगमन व 11.10 बजे प्रस्थान कर दोपहर 13.20 बजे मदार पहुंचेगी। यह ट्रेन रास्ते में किशनगढ, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह, टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी, सूबेदारगंज, वाया मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्याय, दिलदार नगर, बक्सर, रघुनाथपुर, आरां व दानापुर स्टेशनों पर रूकेगी।

इस ट्रेन में 02 सैकण्ड एसी, 03 थर्ड एसी, 03 थर्ड एसी इकोनोमी, 07 स्लीपर, 04 जनरल कैटेगरी, 01 पेंट्रीकार, 01 पावरकार और 01 गार्ड डिब्बों सहित कुल 22 डिब्बे होगे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी